सही बातें
संवेदना

आशीषानुकंपा

शतास्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
संवेदना

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाड्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
संवेदना

अगर आप
पाप करना नहीं छोड़ पा रहे हैं
तो मेरी सिर्फ आपसे
एक ही गुजारिश है,
पाप उतना ही करना
जितना आप में
दुःख सहने की ताकत हो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जिन लोगों को
बुरा बोलने की आदत है
उन लोगों को चुप रहकर
अपनी इज़्ज़त बचानी चाहिये,
ये बात पढ़कर भी
बुरा बोलने वाले
अगर अपनी आदत न छोड़ें
तब भी उनका
बुरा मत मानिये;
क्योंकि
आदत के लाचार लोग
कभी नहीं सुधरते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

छोटी सोच के लोग
जब हारने लगते हैं
तब उनके पास
दो ही शस्त्र बचते हैं,
पहला गाली
और
दूसरा मारपीट,
जब भी कोई आपसे
गाली-गलोच
या
मारपीट करे ;
समझ लेना
वह छोटी सोच का आदमी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

शरीर के अंगों में
सबसे कम वजन
जुबान का ही होता है,
पर
आश्चर्य इस बात का है
बहुत कम लोग ही
इस वजन को संभाल पाते हैं;
लेकिन
जो संभाल लेते हैं
उनकी बातों का वजन बढ़ जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आदमी छोटा या बड़ा
कद से नहीं
विचारों से बनता है,
अगर
छोटा कद होने पर भी
विचार बड़े हैं
तो आप छोटे कद के
बड़े आदमी हैं
और
बड़ा कद होने पर
छोटे विचार हों,
तो आप बड़े कद के
छोटे आदमी हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आपके माता-पिता ने
आपको इतने अच्छे से पाला है
कि आप भगवान से कहते हैं -
हर जन्म में मुझे
ऐसे ही माता-पिता मिलें,
पर
क्या आप भी
कुछ ऐसा कर रहे हैं या नहीं
जिसके कारण
आपके माता-पिता
भगवान से कह सकें -
मुझे भी हर जन्म में
ऐसी संतान देना...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब कोई आपको दुःख दे
तो उसे दुःखी करने का भाव
कभी मत लाना,
अपितु
खुद के दुःखों को
दूर करने का विचार करना,
क्योंकि
बारिश होने पर
आसमान को गाली नहीं दी जाती
अपने ऊपर
छाता लगाया जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

चिंता
किसी भी समस्या का
समाधान नहीं है
चिंता स्वयं में एक
समस्या है,
इसलिये
समस्याओं के समाधान के लिये
चिंता छोड़कर
चिंतन प्रारम्भ कर दें ;
क्योंकि
आग को आग से नहीं
पानी से बुझाया जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जो भी लोग दुःखी हैं
उन्हें चिंता के स्थान पर
चिंतन प्रारम्भ करना चाहिये,
क्योंकि
चिंतन सुखों को बढ़ाता है
और
चिंता दुःखों को;
ध्यान रखें–
जो लोग
दुःखों को नहीं झेल पाते,
वो लोग
चिता में ही नज़र आते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

समाज
और
संस्कृति का नुकसान
बुरे लोग नहीं करते,
क्योंकि
बुरे लोग तो पहले भी थे
और
आगे भी रहेंगे;
बल्कि
अच्छे लोगों का अभाव
इस नुकसान का ज़िम्मेदार है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

किसी के
हाथ–पैर तोड़ने से
कई गुना
अधिक कष्ट दायक है
उसका दिल तोड़ना,
क्योंकि
टूटे हाथ–पैर के साथ
जीवन जिया जा सकता है;
पर
टूटे दिल के साथ
जीवन जीना बहुत कठिन है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

रास्तों पर नहीं
भरोसा रखो अपनी मेहनत पर,
अपने कदमों पर,
अपने भाग्य पर,
क्योंकि
रास्ते कभी नहीं चलते
उन पर क्या भरोसा करना
चलना तो हमें खुद ही पड़ता है ;
इसलिये
भरोसा भी
खुद पर ही करना पड़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अगर ज्ञान में
विनम्रता मिली हुई है
तो आपका ज्ञान अमृत के तुल्य है
और अगर ज्ञान में
घमण्ड मिला हुआ है
तो आपका ज्ञान विष के तुल्य है,
इसलिये
ज्ञान में विनम्रता है
तो स्वर्ग का सोपान है;
ज्ञान में घमण्ड है
तो नरक में इंसान है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अपनों की कीमत
उनकी मौज़ूदगी में नहीं
गैर–मौज़ूदगी में ही होती है
दाँत को ही ले लीजिये –
जब वे रहते हैं
तब आप उनकी
कीमत नहीं जानते हैं
और
एक भी गिर जाये
तो जीभ बार–बार
वहीं जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

भले ही कष्ट के दिन
हर किसी को बुरे लगते हैं,
पर
कष्ट के दिन
आपकी शक्ति से
आपको रूबरू करा देते हैं,
और तो और
आपकी शक्ति को
इतना बढ़ा देते हैं कि
जब दोबारा वे कष्ट आते हैं,
तब आपको उनका
एहसास ही नहीं रहता ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जिसे
रहस्यमयी बातें न बनती हों
और
रहस्य छुपाने की
कला भी न आती हो,
सफलतम व्यक्ति बनने का सपना
उसे नहीं देखना चाहिये,
क्योंकि
बिना रहस्यों के सफल बनना
मेरी समझ से नामुमकिन है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जो लोग
सेवा करना जानते हैं
उनके शत्रु भी
मित्र हो जाते हैं
और
जो सेवा करना नहीं जानते
उनके मित्र भी
शत्रु हो जाते हैं,
इसलिये
मित्रों की संख्या बढ़ाने का
शत्रुओं की संख्या घटाने का
सबसे सुंदर उपाय सेवा है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

बाधाओं के आने पर
जो विचलित हो जाते हैं
बाधायें उन पर
हावी हो जाती हैं
और
जो विचलित नहीं होते
उनकी बाधायें टल जाती हैं,
इसलिये
जिन्हें भी बाधायें टालना हो
उन्हें पर्वत के समान
अविचल हो जाना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

समझदार लोग
ऊँचे उठनेवालों से सीख लेते हैं
और
नासमझ लोग
ईर्ष्या करते हैं,
सीख लेनेवाले
तो ऊँचे उठ जाते हैं;
पर
ईर्ष्या करनेवाले
वहीं पड़े रह जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अक्षर आप अपनों से
प्रीति बनाये रखना चाहते हैं,
तो गुस्से में
उन्हें कभी जवाब मत देना
मौन ले लेना,
क्योंकि
गुस्से में दिया गया एक जवाब
सारे रिश्तों को तोड़ देता है,
माना रिश्ते न भी टूटें,
पर
दूरियाँ तो हो ही जाती हैं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

इस दुनिया में
रुलाना तो बहुतों को आता है,
पर
कुछ ही लोग ऐसे होते हैं
जो रोते हुये को भी
हसाना जानते हैं,
इसलिये
अगर आपकी मुस्कान से
किसी के आँसू बंद हो जायें,
तो समझ लेना
आपके अंदर
बहुत बड़ी कला ने जन्म ले लिया है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जुनून, हौसला और अनुभव ;
ये तीन चीज़ें जिसके पास हों
वो कभी भी
हार का मुख नहीं देख सकता है
और
ईर्ष्या, आलस्य और उतावलापन;
ये तीन चीज़ें
जिसके पास हों
वो कभी भी
जीत का मुख नहीं देख सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कुछ लोग आपकी बातें
दिल रखने के लिये सुनते हैं
और
कुछ लोग
दिल से सुनते हैं ,
हो सके तो
अपनी बातें उन्हें ही सुनायें
जो उन्हें दिल से सुनते हों,
इससे
आपका वक्त बचेगा
और
उनका वक्त बदलेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

निराश से हमेशा बचकर रहना चाहिये,
क्योंकि वह
किसी अंधकार से कम नहीं है,
निराश
आपके प्रकाशमान जीवन को
अंधकारमय कर देती है,
इसलिये
आशा का दीप
अपने हृदय में
हमेशा जलाकर रखना;
ताकि
निराशा का अंधकार
कभी भी न फैल पाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

ज़िम्मेदार होने के लिये
सबसे पहले
छोटे-छोटे कामों को करें,
फिर धीरे-धीरे
अपनी क्षमता बढ़ने पर
बड़े-बड़े कामों को करें,
जैसे-जैसे आप
बड़े-बड़े काम
निर्विघ्न संपन्न करते जायेंगे,
वैसे-वैसे आप
ज़िम्मेदार होते चले जायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अगर आप
सफल व्यक्ति हैं,
तो दूसरों को भी
सफल होने में मदद करें
और
अगर असफल हैं
तो सफल होने के लिये
दूसरों की मदद लें,
ये बात
जिसने भी समझ ली,
समझ लेना
उसमें समझ आ गई...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब कोई आपको गाली दे
तो उसका बुरा मत मानिये,
क्योंकि
इसमें उसकी
कोई गलति नहीं है,
क्योंकि
समुद्र हमेशा
खारा पानी देता है
और
नदी हमेशा
मीठा पानी देती है;
सच है –
जिसके पास जो होता है
वो वही देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आपको गिराने की
और
ऊपर उठाने की ताकत
दुनिया में सिर्फ
एक ही व्यक्ति में है
और वो हैं आप स्वयं,
अगर
आप अपने गुण बढ़ाते हैं
तो ऊपर उठ जायेंगे
और
अवगुण बढ़ाते हैं
तो नीचे गिर जायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

महान व्यक्तित्व के लोग
असफल होने पर
कभी नहीं कहते हैं –
मुझे अच्छा अवसर नहीं मिला
बल्कि वे कहते हैं –
मैं इस बार चूका हूँ
अगली बार नहीं चूकूँगा;
अगर
आपके अंदर भी ऐसा ही जज़बा है
तो आप भी महान बन सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दूसरों के
बताये रास्तों पर चलना
बहुत सरल है,
पर
खुद रास्ते बनाकर चलना
बहुत कठिन है,
अपनी मंजिल के लिये
रास्ता खुद बनायें,
तकलीफ और समय लगेगा
पर सफलता भी
लंबे समय तक रहेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

ऐसे कुछ ही लोग होते हैं
जो दुर्जनों की संगति में
अथवा
कष्टों के समय में
सज्जन रहें,
मुस्कुराते रहें,
आपका आप जानिये
मैं तो उन्हें
गुलाब के पुष्प की तरह समझता हूँ
जो कष्टों में भी रोता नहीं
मुस्कुराता ही रहता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

शब्दों को
बहुत सोच समझकर ही बोलें,
क्योंकि
आपके शब्दों से
किसी का जीवन बच भी सकता है
और
किसी का मरण भी हो सकता है,
आप तो गलत बोलकर
चुप हो जायेंगे,
मगर सोचिये –
जिससे बोला है
उस पर क्या बीत रही होगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आपने
शुगर और हिमोग्लोबिन
तो टेस्ट कराया होगा,
पर
क्या कभी आपने
अपने शब्दों को भी टेस्ट कराया है,
अगर नहीं कराया
तो आज जरूर करायें,
क्योंकि
बीमारियाँ तो
दवाइयों से ठीक हो जायेंगी,
पर
बुरे शब्दों के द्वारा उत्पन्न बीमारियों को
ठीक होने में बहुत लंबा समय लगता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब आपको
किसी के गुण दिखें
तब आप
काली मिट्टी बन जाइये
अर्थात्
उसे शीघ्र ग्रहण कर लीजिये
और
जब अवगुण दिखें
तब आप
चिकनी मिट्टी बन जाइये
अर्थात्
बार-बार दिखने पर भी
वो आप में
प्रवेश न कर पायें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आपका भला चाहने वाले
शत्रु होकर भी आपके मित्र हैं
और
आपका बुरा चाहने वाले
मित्र होकर भी आपके शत्रु ही हैं,
इसलिये
जो आपका भला चाहे
वही मित्र है
और
जो आपका बुरा चाहे
वही शत्रु है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

धन नष्ट हो जाये
तो ज़्यादा मत सोचना,
विद्या नष्ट हो जाये
तो भी ज़्यादा मत सोचना,
मगर
समय नष्ट हो जाये
तो जरूर सोचना;
क्योंकि
नष्ट हुआ धन और विद्या
पुनः लौटकर आ सकते हैं ;
पर
नष्ट हुआ समय
कभी लौटकर नहीं आता ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दुनिया को समझना छोड़कर
खुद को समझ लो,
क्योंकि
दुनिया को
न तो कोई समझ पाया है
न ही कोई समझ पायेगा,
इसलिये
सुख-शांति
और
विकास की भावना हो
तो खुद को समझ लो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

प्रार्थना
उन्हीं की सफल होती है
जो मेहनत करने में नहीं चूकते है,
जो सिर्फ प्रार्थना करते हैं
वो सिर्फ
निर्भरता का जीवन जीना चाहते हैं,
इसलिये
प्रार्थना के साथ-साथ
जो लोग मेहनत करते हैं;
वो ही लोग
सफलता का जीवन जीते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

संवेदना

अच्छी शिक्षा देना
भोजन बनाने जैसा है,
मगर
अच्छी शिक्षा ग्रहण करना
भोजन खाने जैसा है,
अगर आप
भोजन बनाना जानते हैं
तो उसे खाना भी सीखिये,
अगर आप
अच्छी शिक्षा देना जानते हैं
तो उसे
ग्रहण करना भी सीखिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आजकल
हर कोई अपना नाम
फेसबुक में लिखना चाहता है,
मगर मेरा सोचना है –
फेसबुक में लिखा नाम
मिट सकता है;
फेसबुक की जगह
लोगों की दिल में अपना नाम लिखें,
तो लोगों के मुख से
आपका नाम
कभी नहीं मिट पायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

बिना नमक का भोजन
और
बिना विवेक की ज़िंदगी
भला किस काम की,
इसलिये
भोजन में नमक जरूरी है
और
आपके जीवन में विवेक जरूरी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

उम्र तो
हर किसी की बढ़ती है,
पर
जो लोग बढ़ती उम्र में
पुण्य और अनुभव को भी
बढ़ाते रहते हैं,
वो ही लोग
सफलता के उच्चतम शिखर को
छू पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

काबिलियत
कई लोगों में होती है,
पर
कुछ ही लोग
अपनी काबिलियत को
शिखर तक पहुँचा पाते हैं,
निरंतर-अभ्यास,
गुरु-आशीष
और
पूर्व पुण्योदय से ही ऐसा होता हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जैसे
सही समय पर लिया गया पानी
अमृत का काम करता है
और
गलत समय पर लिया गया पानी
विष का काम करता है,
वैसे ही
सही समय पर कहा गया शब्द
अमृत का काम करना है
और
गलत समय पर कहा गया शब्द
विष का काम करता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब आप
अपने काम में
अपनी योग्यता और सामर्थ्य
दोनों लगा देते हैं,
तभी आपके काम
सर्वोत्तम हो पाते हैं,
ध्यान रखें-
काम करना अच्छी बात है,
पर
सर्वोत्तम काम करना
सर्वोत्तम बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

यदि आपको
अपने दोष या कमज़ोरी जानना हो
तो अपने चाहनेवालों को
क्रोध उत्पन्न करा दें,
क्रोध के आवेग में
वह आपके सारे दोष
सारी कमज़ोरी
उजागर कर देगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आप जितनी विनय करेंगे
आपको उतने अधिक लोग चाहेंगे,
यहाँ तक कि
आपके शत्रु भी
आपके मित्र हो जायेंगे,
इसलिये
जैसे आप
श्वास लेना नहीं भूलते
वैसे ही आप
विनय करना भी मत भूलिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

मैंने
ऐसे लोग भी देखे हैं
जिन्हें
दूसरों के दुःखों को देखकर
कोई संवेदना ही नहीं होती है,
शायद ऐसा इसलिये होता है;
क्योंकि
उनके अंदर अभी
इंसानियत ने जन्म नहीं लिया है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आपके
अंदर बैठी बुराइयों को
जीतने का सबसे अच्छा उपाय है
''अच्छाई को जन्म देना,''
जैसे-जैसे
अच्छाइयाँ बढ़ती जायेंगी,
वैसे-वैसे
बुराइयाँ अपने आप घटती जायेंगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब भी आपको
किसी से राग हो
तब आप
जरूर सोचना कि
आपको उसके गुणों से राग है
या
शरीर से,
अगर शरीर से हो
तो समझना वह राग
सही नहीं है;
अगर
गुणों से हो
तो समझना वह सही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

शेष श्रृंगार
शरीर को सुन्दर बनाते हैं,
पर
एक शील ही है
जो आपकी आत्मा को
श्रृंगारित करता है,
इसलिये
सही कहा जाये
तो शील ही आपका
सच्चा श्रृंगार है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

खराब समय को शान्त रहकर
बिना निर्णय लिये
निकालते रहना चाहिये,
कई बार
समय खराब होने पर
दिमाग में निर्णय भी
खराब ही आते हैं,
इसलिये
अच्छे निर्णय के लिये
अच्छे समय का
इंतज़ार
अवश्य करना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कई बार
गलति न होने पर भी
आप गलत ठहरा दिये जाते हैं ,
ऐसे समय में
अगर आपके पास सबूत हों
तो आपको
अपनी बात रखना चाहिये,
वरना
शान्त रहना ही
सबसे अच्छी नसीहत है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

माता–पिता
चाहे अच्छे हों या खराब,
पर
संतान को हमेशा
उनका उपकार
और
अपना सौभाग्य मानना चाहिये,
क्योंकि
उन्होंने आपको जन्म दिया है
ध्यान रखना –
अगर माता–पिता का मन
साफ न होता,
तो शायद आपका
जन्म ही न होता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कई बार आपको
बहु-प्रयासों के बाद भी
बहुत चलने के बाद भी
मंजिल नहीं मिलती
तब अपने प्रयासों को
हीन नहीं मानकर
रास्ते पर गौर करना चाहिये;
हो सकता है
रास्ता ही गलत हो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

ऊँचे शिखरों पर तो
चील भी बैठ जाया करते हैं,
पर
ऊँचे स्थान पर बैठने से
कोई ऊँचा या अच्छा
नहीं बन जाता है,
ऊँचे या अच्छे
आप तभी बन पाते हैं,
जब आप ऊँचे या अच्छे
आचरण से जुड़ जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अहंकार नहीं करो
ममकार भी नहीं करो,
क्योंकि ये तो
दुनिया करना जानती है,
अगर कुछ करना ही है
तो अपने सपनों को साकार करो;
क्योंकि
हर कोई इसे नहीं करना जानता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अगर आप
अपनी प्रशंसा चाहते हैं,
तो आप
प्रशंसा की चाह न करके
अपने गुणों को
निरंतर बढ़ाते जायें,
प्रशंसा
चाहने से नहीं,
गुणों को
बढ़ाने से मिलती है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

हम जीवन में
बहुत से पल जीते हैं,
मैंने भी
बहुत से पल जिये हैं,
तुमने भी जिये होंगे ;
लेकिन
हमें वो ही पल याद रहते हैं
जो हम खुलकर जीते हैं,
वो भी अपनों के साथ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कई बार
हम सही व्यक्ति पर
विश्वास न करने के कारण
धोखा खा बैठते हैं,
कई बार वह धोखा
इतना बड़ा हो जाता है
कि हम खुद को भी
नहीं संभाल पाते हैं
और
खुद को ही खो बैठते हैं;
इसलिये
मेरी तो यही सलाह है
सही व्यक्ति पर विश्वास करें
ताकि
ज़िंदगी भी सही चलती रहे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

पापोदय से
अमृत भी विष हो जाता है
और
पुण्योदय से
विष भी अमृत हो जाता है,
ऐसा जानकर
समझदार लोग पाप छोड़कर
पुण्य करने में लग जाते हैं,
मगर
नासमझों का क्या है?
आप उन्हें
चाहे जो समझायें
वो तो वही करते हैं
जो उन्हें करना है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जिन्हें भी दुःख मिलता है
पाप के कारण ही मिलता है,
और
जिन्हें भी सुख मिलता है
पुण्य के कारण ही मिलता है,
इसलिये
जिन्हें भी सुख की अभिलाषा हो
उन्हें धर्म में तत्पर रहना चाहिये,
क्योंकि
पुण्य धर्म से ही मिलता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब
आपके मन का काम नहीं होता,
तब आपके
मान को धक्का लगता है
और
क्रोध उत्पन्न होता है,
इसलिये
मन का काम न होने पर
खुद को संभालें
क्रोध खुद-ब-खुद
संभल जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

किसी को भी सुधारने के लिये
उनके दोष मत गिनाइये,
आप तो उन्हें
'सही बातें' सुनाइये,
दोष गिनाने से
कोई नहीं सुधरेगा
'सही बातें' बताने से
हर कोई सुधरेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कभी भी किसी से
कुछ मत माँगिये,
माँगेंगे तो छोटे हो जायेंगे,
हो सके तो
आप अपने आपको
इस काबिल बनाइये
कि लोग आपसे माँगने आयें,
ताकि
आप कभी छोटे न हो पायें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जीवन
एक ईमानदार दर्पण की तरह होता है
आपने
पहले जैसा किया था
आज वह
आपको वैसा ही दिखाता है
और
जैसा आप
आज कर रहे हैं
भविष्य में आपको
वैसा का वैसा जरूर दिखायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अगर आप
अपना विकास चाहते हैं,
दुनिया में
अव्वल नम्बर पर रहना चाहते हैं,
तो आपकी जीवन शैली भी
आपका ज्ञान भी
अव्वल होना चाहिये,
क्योंकि
जैसा आप निर्माण करेंगे
इमारत भी वैसी ही बनेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जब भी आपको
देने का मौका मिले
तो जरूर दें,
पर
देकर बोलना नहीं
भूल जाना चाहिये,
अगर
भूलने की जगह बोल दिया
तो देना व्यर्थ हो जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जिसके जीवन में
सच्चाई की मिठास नहीं है
मैं उसके जीवन को
बिन चासनी की
जलेबी की तरह ही मानता हूँ ,
जैसे बिन चासनी की जलेबी
जलेबी नहीं,
वैसे ही
बिन सच्चाई का जीवन भी
जीवन नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दुष्ट लोगों से
दूर रहना ही श्रेष्ठ है,
मैं तो ऐसे लोगों को
सर्प से भी
गया-बीता मानता हूँ,
सर्प कम-से-कम
दूध पीते समय तो शान्त रहता है,
पर
दुष्ट लोग
हमेशा ही अशान्त रहते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दुनिया में
अगर कोई सच्चा मित्र है
तो वो हैं
आपके गुरु,
मैं ऐसा
इसलिये कह रहा हूँ,
क्योंकि
सिर्फ एक गुरु ही होते हैं
जो आपके भले के लिये
हर पल सजग रहते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दुनिया में
आपसे कोई भी रूठे
तो परवाह मत करना,
लेकिन
आपका सच्चा मित्र या गुरु रूठें
तो जरूर परवाह करना,
क्योंकि
जीवन में सही रास्ता
और
सही सलाह देनेवाला नहीं रहेगा,
तो सही जीवन भी नहीं रहेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

व्रतों की इच्छा तो होना चाहिये,
पर
व्रतों की इच्छा के साथ
विषयों की इच्छा का
निरोध भी होना चाहिये,
तभी व्रत लेना सफल है
वरना
व्रत लेकर भी
पूरा का पूरा जीवन ही असफल है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अपने उद्धार के लिये
उधार लेना छोड़कर
उपकार करना प्रारम्भ करें,
क्योंकि
उपकार करने पर
जो पुण्य मिलता है
उससे आपका उद्धार
कोई नहीं रोक सकता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कष्टों के दिनों में
किसी से आप
धैर्य रखने को कहेंगे
तो उसको आपके वचन
कड़वे लगेंगे,
लेकिन
धैर्य धारण करने पर
आनेवाला समय बहुत मीठा लगेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

आपके अंदर
धोखे का भाव
बहुत पहले उत्पन्न होता है
और
आप धोखा बहुत बाद देते हैं,
इसलिये
दूसरों के साथ
विश्वास घात करके
आप दूसरों के पहले
खुद को ही धोखा दे चुके होते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कष्ट आने पर
मन में खिन्नता न आना
बहुत बड़ी साधना है
और
दूसरों के ऊपर उठने पर
खुद के भावों को
गिरने न देना
बहुत बड़ी भावना है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दूसरों की गलतियाँ निकालना
बहुत सरल है,
पर
अपनी एक गलती सुधारना
बहुत कठिन है;
अगर
आप भी सुधरना चाहते हैं
तो अपनी गलतियाँ खोजिये
दूसरों की नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दूसरों के भावों को
पढ़ने के लिये
उनकी क्रियाओं को
बड़े गौर से देखिये,
जैसे
मटके में भरा नीर
मटके की आद्रता को दिखाता है,
वैसे ही
व्यक्ति की क्रियायें
व्यक्ति के व्यक्तित्व को
व्यक्ति के भावों को दिखाती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जन्म हमने
बदला लेने के लिये नहीं
खुद को
बदलने के लिये लिया है,
हम बदला लेते रहे हैं
इसलिये
कई बार जन्म लेते रहे हैं ;
बदला लेने की जगह
खुद को बदलिये
ज़िंदगी भी बदल जायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

पैसा
नीति से कमाना चाहिये
और
उसका उपयोग भी
नीति से ही करना चाहिये,
ध्यान रखें -
अनीति से
पैसा तो कमाया जा सकता है ;
पर अनीति से
इज़्ज़त नहीं कमाई जा सकती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

माँगना
गुण नहीं अवगुण है
और
देना
परोपकार नहीं निजोपकार है
यह बात
आप जितनी जल्दी समझ जायेंगे
ज़िंदगी भी
उतनी जल्दी संभल जायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

दूसरों के प्रति किये गये
हमारे बुरे भाव
हमारे जीवन को
दिन–प्रतिदिन दबाते जाते हैं
और
अच्छे भाव
दिन–प्रतिदिन
हमारे बोझ को हटाते जाते हैं;
अब आप स्वयं सोचिये
आपको बोझ हटाना है
या बढ़ाना है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

किसी का यश देखकर
अगर आप जलते हैं
तो गलत करते हैं,
जलने से तो आपका पुण्य और यश
दोनो ही कम हो जाते हैं;
आप
कठिन काम करिये
और
सरल इंसान बनिये
आपका भी यश जरूर फैलेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

बहुत खाना
और
बहुत बोलना
महान लोगों के लक्षण नहीं है,
महान लोगों के लक्षण तो
कम खाना
और
कम बोलना है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

कुछ लोग
अपने दोषों को छिपाने के लिये
दूसरों पर
दोषारोपण करते हैं,
ऐसे लोगों से जीतने के लिये
नीति का प्रयोग ही श्रेयस्कर है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अपने आपको
विशेष बनाने के पूर्व
अपनी कमियों को
दूर करने का पुरुषार्थ अवश्य करें,
क्योंकि
अगर कमियाँ हैं
तो विशेषतायें
धरी की धरी रह जाती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

जीवन में
आनंदित रहना है
तो देना सीखिये,
देकर आप
दूसरों की खुशियों में
भागीदार बन सकते हैं,
इसलिये
जो आनंद देने में है
वह ग्रहण करने में नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अपनी गलतियों को भी
ऐसे प्रस्तुत करें,
जिसे सुनकर
लोग आपकी
गलतियों को भूलकर,
आपकी प्रस्तुति के
दीवानें हो जायें;
सफलता के लिये
यह भी एक सुन्दर तरकीब है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

अगर आपको
कार्य करने के बाद
प्रशंसा नहीं मिल रही,
तो क्रोध न करके
सब्र रखें
और
कार्य को
निरंतर गतिमान रखें,
विश्वास मानिये
प्रशंसा और सफलता
दोनों ही मिलेंगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
संवेदना

किसी भी समस्या को
ऐसे हल करें
जिससे
दूसरी समस्या खड़ी न हो,
क्योंकि
एक समस्या को सुलझाकर
दूसरी समस्या में उलझना
समझदारी नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर